RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

# इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 30 SEPTEMBER TO 06 OCTOBER 2020 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 06 ■ अंक 6 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

**Inside News**

असम के बागजन में क्षतिग्रस्त गैस कुंए को पूरी तरह बंद करने में लगेंगे दो महीने और: ऑयल इंडिया प्रमुख

Page 2

RBI से बैंकों को एक और राहत... इस नियम को 6 महीने के लिए टाला गया

Page 5

चीन पर एक और वार, अब शिप ब्रेकिंग का धंधा खींचने की तैयारी

Page 7

**editoria!**

## ठिठका हुआ रिजर्व बैंक

रिजर्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी (एमपीसी) की हर दूसरे महीने होने वाली बैठक इस बार नहीं हो सकी। यह कोई मामूली सूचना नहीं है। मंगलवार यानी 29 सितंबर से शुरू होकर इसे 1 अक्टूबर तक चलना था, लेकिन सोमवार को ही रिजर्व बैंक की तरफ से बैठक स्थगित किए जाने की घोषणा कर दी गई। आधिकारिक तौर पर न तो इसकी कोई वजह बताई गई है, न ही यह सूचना दी गई है कि बैठक कब तक के लिए टाली गई है। माना जा रहा है कि बैठक टलने का कारण इस कमिटी के बाहरी सदस्यों की समय पर नियुक्ति न हो पाना है। एमपीसी में छह सदस्य होते हैं जिनमें तीन आरबीआई के अंदर के होते हैं और तीन इससे बाहर के। अंदर के सदस्यों में गवर्नर, डेप्युटी गवर्नर और एग्जिक्युटिव डायरेक्टर (मॉनिटरी पॉलिसी) होते हैं। आरबीआई से बाहर के तीनों सदस्य सरकार द्वारा मनोनीत किए जाते हैं और इनका कार्यकाल चार साल का होता है। एमपीसी की व्यवस्था अक्टूबर 2016 से शुरू हुई तो इन तीनों सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो गया और अगस्त में हुई एमपीसी की पिछली बैठक के बाद तीनों इस कमिटी से हट गए। इसके बाद स्वाभाविक तौर पर अपेक्षा की जा रही थी कि सरकार इनकी जगह तीन नए सदस्यों को मनोनीत कर देगी, लेकिन उसकी तरफ से अबतक ऐसी कोई घोषणा नहीं की जा सकी है। नतीजा यह कि देश की मौद्रिक नीति तय करने वाली इस कमिटी की बैठक निर्धारित समय पर नहीं हो सकी और यह भी नहीं पता कि आगे कब होगी। ध्यान रहे, एमपीसी की बैठक बैंकिंग व्यवस्था के ही लिए नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में गिनी जाती है। कारण यह कि इसमें रिजर्व बैंक इकॉनमी में नकदी का फ्लो सुनिश्चित करने और मुद्रा स्फीति दर को नियंत्रित करने के लिए प्रमुख ब्याज दरें तय करता है, साथ ही देश की आर्थिक स्थिति का वस्तुगत आकलन भी पेश करता है, जिसके आधार पर निवेशक अपना रुझान तय करते हैं। कोरोना और लॉकडाउन से उपजी चुनौतियों को ध्यान में रखें तो एमपीसी की इस बार वाली बैठक कुछ ज्यादा ही महत्वपूर्ण हो जाती है। रिजर्व बैंक ने कर्जों की ईएमआई टालने जैसी कुछ रियायतें भी घोषित कर रखी हैं। इनके प्रभावों का सटीक आकलन होना जरूरी है, ताकि बैंकों द्वारा इन्हें बंद करने या आगे बढ़ाने का फैसला लिया जा सके। साफ है कि एमपीसी की बैठक न हो पाना एक ऐसी अनिश्चितता को जन्म दे रहा है, जो किसी आर्थिक तर्क से नहीं उपजी। यह सरकारी लापरवाही से या किसी विचित्र तर्क के झोंके में अर्थव्यवस्था पर बाहर से लादी गई है। वैसे भी महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति में ढिलाई का संदेश जाना किसी सरकार के लिए अच्छा नहीं होता। एनडीए-1 के दौरान लोकपाल की नियुक्ति में हुई करीब पांच साल की देरी पर आज भी सवाल पूछे जाते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार तीनों नियुक्तियां जल्द करेगी और एमपीसी की बैठक को लेकर बनी अनिश्चितता ज्यादा लंबी नहीं खिंचेगी।

# निर्यात ऑर्डर में होने लगी बढ़ोतरी रोजगारपरक क्षेत्रों में भी जगी आशा

**नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क**

***दुनिया भर में अनलॉक की प्रक्रिया शुरू होने से निर्यात के मोर्चे पर अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। निर्यातकों को आगामी अक्टूबर-नवंबर के लिए पिछले पांच महीनों के मुकाबले 20 फीसद तक अधिक ऑर्डर मिल रहे हैं। निर्यातकों के मुताबिक नए ऑर्डर का स्तर कोरोना से पूर्व काल के आसपास है और चालू वित्त वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर- दिसंबर) के निर्यात में बढ़ोतरी की पूरी उम्मीद है। निर्यातकों के मुताबिक इंजीनियरिंग उत्पाद, रेडीमेड गारमेंट्स, लेदर उत्पाद व हैंडीक्राफ्ट्स जैसे रोजगारपरक क्षेत्रों में भी पिछले पांच महीनों के मुकाबले ऑर्डर में बढ़ोतरी दिख रही है।***

चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में वस्तुओं के निर्यात में गत वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 26.65 फीसद की गिरावट रही। अगस्त में यह गिरावट 12.6 फीसद की रही। अगस्त महीने के निर्यात में 30 प्रमुख आइटम में से सिर्फ 14 आइटम में सकारात्मक बढ़ोतरी रही।

इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी)

के सीईओ सुरंजन गुप्ता ने बताया कि अगले दो महीने के ऑर्डर के हिसाब से निर्यात का स्तर कोरोना पूर्व काल के आसपास पहुंच गया है। तीसरी तिमाही में इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यात में बढ़ोतरी शुरू हो सकती है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक अगस्त महीने में इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यात में पिछले साल अगस्त के मुकाबले 7.69 फीसद की गिरावट रही।

गारमेंट निर्यातक अशोक रजानी ने बताया कि पिछले चार-पांच महीनों के मुकाबले निर्यात ऑर्डर में 20 फीसद तक का इजाफा है, लेकिन ग्राहक डिलीवरी के लिए अधिक वक्त नहीं दे रहे हैं। खरीदार पिछले साल के मुकाबले कीमत भी कम दे रहे हैं। मुख्य रूप से अमेरिका और यूरोप से ऑर्डर निकल रहे हैं। वैश्विक बाजार की स्थिति सख्त होने की वजह से निर्यातकों को पैसे फंसने की भी आशंका सता रही हैं। इस साल अगस्त महीने में गारमेंट के निर्यात में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 14 फीसद की गिरावट रही।

हैंडीक्राफ्ट्स निर्यातक राजकुमार मल्होत्रा ने बताया कि कोरोना की वजह से निर्यात बाजार जो ठप पड़ा था, उसमें गति आ गई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि तीसरी तिमाही में कितनी बढ़ोतरी होगी। हैंडीक्राफ्ट्स निर्यात में अगस्त महीने में पिछले साल अगस्त के मुकाबले 5 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस (फियो) के अध्यक्ष शरद कुमार सराफ ने बताया कि निश्चित रूप से पहले के मुकाबले ऑर्डर में बढ़ोतरी है और कुल निर्यात में बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन सरकार को निर्यातकों के जीएसटी रिफंड व अन्य इंसेंटिव के समय पर भुगतान का ख्याल रखना होगा। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल पहले ही कह चुके हैं कि इस साल सितंबर के पहले 15 दिनों में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले निर्यात में लगभग 10 फीसद की बढ़ोतरी है।

# छोटी-बड़ी दिक्कत का सोल्युशन लेकर आया हेल्पी

**- पिक एंड ड्राप समेत हर जरुरत का एक मात्र हल होगा हेल्पी**

**- वॉलेट का बैलेंस कैश करने जैसे कुछ बेमिसाल फीचर्स के साथ लांच हुआ हेल्पी**

**भोपाल। आईपीटी नेटवर्क**

पिछले लम्बे समय से सुर्ख़ियों में रहे नए ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफार्म हेल्पी ने अपनी लॉन्चिंग के साथ एक धमाकेदार एंट्री की है। हाल ही में ऐन्ड्रॉइड और आईओएस यूजर्स के लिए एक बेहतरीन यूजर फ्रेंडली इंटरफ़ेस देने के साथ, हेल्पी ने अभी तक के सबसे तगड़े ऑनलाइन बुकिंग फीचर्स को लांच किया है। हेल्पी अपने कस्टमर्स को बाइक, बाइक डिलीवरी, एलसीवी, एमसीवी, एचसीवी, ऑटो डिलीवरी, लोडिंग ऑटो और पीएम सर्विसेज़ के लिए कहीं भी, किसी भी वक्त उपस्थित होने का दावा करता है। किराने की दुकान से सुरक्षित राशन घर पहुंचाना हो या मकान का सामान एक घर से दूसरे घर शिफ्ट करना हो, हेल्पी राइडर्स 24̄7 आपकी सेवा में उपस्थित रहते हैं। इस मौके पर हेल्पी फाउंडर और युवा एन्टरप्रेन्योर एन एस रघुवंशी ने कहा कि, 'हेल्पी, महज एक क्लिक पर आपकी रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर लॉजिस्टिक्स तक की सभी समस्याओं का एकमात्र समाधान होने जा रहा है।ये ड्राइवर्स के लिए भी एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। जो उनके प्रति किराए का 90 फीसदी हिस्सा उनके वॉलेट में देने जा रहा है।' हेल्पी के बेमिसाल फीचर्स का एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, 'यदि आपके पास ऑनलाइन या वॉलेट में पेमेंट है, और कैश की व्यवस्था नहीं हो रही है तो ऐसी स्थिति में भी हेल्पी आपकी मदद करेगा। आप हेल्पी राइडर को कॉल कर, बुला सकते हैं और उसे ऑनलाइन पेमेंट कर, उससे कैश ले सकते हैं।' महाकाल की नगरी उज्जैन से आने वाले 27 वर्षीय एन एस के लिए लोगों की मदद करना, उनकी परवरिश का एक हिस्सा रहा है। अपनी इसी आदत से उन्होंने एक नए आईडिया को जन्म दिया। रघुवंशी अपनी युवा सोच के साथ उपभोक्ताओं को एक नए प्रकार का अनुभव देने जा रहे हैं। हेल्पी आपके रोजमर्रा के पर्स, मोबाइल, डॉक्यूमेंट, किराना जैसे सामानों को भी आप तक सुरक्षित पहुंचाने में मदद करता है। ख़ास बात यह है कि हेल्पी के माध्यम से ड्राइविंग के क्षेत्र में सैकड़ों रोजगार भी उत्पन्न होने की सम्भावना है।

## कैट ने ई-कॉमर्स नीति को जल्द लागू करने की मांग की

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

व्यापारियों के संगठन कैट ने रविवार को कहा कि भारत में बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों के कथित गलत व्यवहार पर रोक लगाने के लिए ई-कॉमर्स नीति को जल्द लागू करना चाहिए। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दावा किया कि बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों ने देश के ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र को बहुत अधिक नुकसान पहुंचाया है। कैट ने एक बयान में कहा कि घरेलू कारोबार में ई-कॉमर्स की बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी के मद्देनजर एक मजबूत और अच्छी तरह से परिभाषित नीति सभी के लिए जरूरी है, ताकि बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों के हाथों छोटे व्यवसायों को नुकसान न हो। सरकार ने पिछले साल राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति का मसौदा जारी किया था।

# असम के बागजन में क्षतिग्रस्त गैस कुंए को पूरी तरह बंद करने में लगेंगे दो महीने और: ऑयल इंडिया प्रमुख

**गुवाहाटी। एजेंसी**

सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल इंडिया लिमिटेड (ऑयल) के असम में बागजन स्थित क्षतिग्रस्त गैस कुंए को पूरी तरह बंद करने में विशेषज्ञों के हिसाब से दो महीने का वक्त और लगेगा। इस कुंए से पिछले 126 दिन से गैस का अनियंत्रित रिसाव हो रहा है। ऑयल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुशील चंद्र मिश्रा ने कंपनी की वार्षिक आम सभा के बाद प्रेसवार्ता में कहा कि कंपनी ने इस दुर्घटना के जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इस दुर्घटना में तीन लोगों की जान चली गयी। उन्होंने कहा, " गैस के कुंए के मुख से निकल रही आग पर पूरी तरह काबू पाने में हम सफल रहे हैं। 13 सितंबर को गैस के रुख को बदलने के बाद यह सफलता हाथ लगी है। हम कुंए पर पूर्ण नियंत्रण पाने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए कुंए को बंद करने में महारत रखने वाला एक दल अगले तीन से चार हफ्ते में कनाडा से भारत पहुंचने की संभावना है।" मिश्रा ने कहा, "विशेषज्ञों के आने के बाद इस कुंए पर पूरा नियंत्रण स्थापित करने और इसे बंद करने में तीन से चार सप्ताह का वक्त और लगेगा। वर्तमान के हिसाब लगाएं तो कुंए को पूरी तरह बंद करने के लिए करीब आठ हफ्ते का वक्त चाहिए।" ऑयल के प्रमुख ने कहा कि कुंए और उससे निकल रही आग पर काबू पाने के लिए कंपनी विदेशी विशेषज्ञों की सेवा पर अब तक 70 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। ऑयल को कुंए से निकल रही आग पर काबू पाने में पहली सफलता 17 अगस्त को मिली थी। तब कंपनी सफलतापूर्वक आग लगने से बचाव करने वाली प्रणाली को स्थापित कर सकी थी। यह प्रणाली एक तरीके का कई टन भारी धातु का टुकड़ा होती है जिसे कूंए के मुंह पर स्थापित करने का कंपनी का यह तीसरा प्रयास था। असम के वाणिज्य और उद्योग मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने दो सितंबर को विधानसभा में कहा था कि कनाडा से विशेषज्ञों की एक टीम बागजन आने की तैयारी कर रही है। कूंए को नियंत्रित करने में दो महीने का वक्त और लगेगा।

## आपके PF से जुड़ी खुशखबर

# श्रम मंत्रालय शुरू करने जा रहा है यह नई सुविधा

**नई दिल्ली। एजेंसी**

कर्मचारी भविष्य निधि (Employee provident fund) के सदस्यों के बीच विशेषतौर से कोविड-19 महामारी के दौरान उमंग मोबाइल ऐप का उपयोग काफी सुविधाजनक रहा। श्रम मंत्रालय के मुताबिक अगस्त 2019 के बाद से ऐप पर 47.3 करोड़ हिट हुए हैं जिसमें से 41.6 करोड़ यानी 88 प्रतिशत हिट केवल कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) की सेवाओं को लेकर हुए हैं।

मंत्रालय के अनुसार उमंग ऐप में पहले ही 16 सेवाओं को डाला जा चुका है। EPFO अब इसमें एक और सुविधा शुरू करना चाहता है और कर्मचारियों की पेंशन योजना यानी ईपीएस सुविधा को भी इसमें जोड़ना चाहता है। श्रम मंत्रालय के मुताबिक 'द यूनिफाइड मोबाइल एप्लीकेशन फार न्यू-एज गवर्नेंस (उमंग) ईपीएफ अंशधारकों के बीच काफी पसंद किया गया है। इस ऐप के जरिए कोविड-19 महामारी के दौरान उन्हें घर पर बैठकर ही ईपीएफ सेवाओं को पाने की सुविधा प्राप्त हुई।

**क्या है ईपीएस सुविधा :** सदस्य इसमें कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के तहत योजना प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं। पेंशन योजना प्रमाण-पत्र उन सदस्यों को जारी किया जाता है जिन्होंने अपना ईपीएफ फंड निकाल लिया है, लेकिन वे पेंशन लाभ के लिए सेवानिवृत्ति आयु तक ईपीएफओ के साथ सदस्यता बनाए रखना चाहते हैं। कोई भी सदस्य पेंशन योजना के तहत पेंशन पाने का पात्र तभी होता है जब कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के तहत कम से कम 10 साल उसका सदस्य हो। सदस्य यदि नई नौकरी पाता है तब ऐसी स्थिति में उसे पेंशन योजना का प्रमाण-पत्र नए नियोक्ता के साथ पेंशन लाभ को जारी रखने में मददगार होता है। सदस्य की असमय मृत्यु हो जाने की स्थिति में भी योजना प्रमाण-पत्र परिवार के सदस्यों के लिए सहायक होता है।

# रिलायंस रिटेल में जनरल अटलांटिक करेगा रू. 3,675 करोड़ का निवेश

**नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क**

वैश्विक निवेश फर्म जनरल अटलांटिक 0.84ङ्ग इक्विटी के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड ('आरआरवीएल') में 3,675 करोड़ रूपय का निवेश करेगी। यह रिलायंस रिटेल में तीसरा बड़ा निवेश है। बुधवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड ('आरआरवीएल') ने इस निवेश की घोषणा की। सौदे में रिलायंस रिटेल की प्री-मनी इक्विटी को 4.285 लाख करोड़ रूपय आंका गया। साल की शुरुआत में जनरल अटलांटिक ने जियो प्लेटफॉर्म्स में 6,598.38 करोड़ का निवेश किया था। यह जनरल अटलांटिक का रिलायंस इंडस्ट्रीज की एक सहायक कंपनी में दूसरा निवेश है। रिलायंस रिटेल लिमिटेड के देश भर मे फैले 12 हजार से ज्यादा स्टोर्स में सालाना करीब 64 करोड़ खरीददार आते हैं। यह भारत का सबसे बड़ा और सबसे तेजी से विकसित होने वाला रिटेल बिजनेस है। रिलायंस रिटेल के पास देश के सबसे लाभदायक रिटेल बिजनेस तमगा भी है। कंपनी खुदरा वैश्विक और घरेलू कंपनियों, छोटे उद्योगों, खुदरा व्यापारियों और किसानों का एक ऐसा तंत्र विकसित करना चाहती है, जिससे उपभोक्ताओं को किफायती मूल्य पर सेवा प्रदान की जा सके और लाखों रोजगार पैदा किए जा सकें। रिलायंस रिटेल ने अपनी नई वाणिज्य रणनीति के तहत छोटे और असंगठित व्यापारियों का डिजिटलीकरण शुरू किया है। कंपनी का लक्ष्य 2 करोड़ व्यापारियों को इस नेटवर्क से जोड़ना है। यह नेटवर्क व्यापारियों को बेहतर टेक्नॉलोजी के साथ ग्राहकों को बेहतर मूल्य पर सेवाएं देने में सक्षम बनाएगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, 'मैं प्रसन्न हूं कि जनरल अटलांटिक के साथ हमारे संबंध और मजबूत हुए हैं। हम व्यापारियों और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने और अंततः भारतीय रिटेल की तस्वीर बदलने के लिए काम कर रहे हैं। रिलायंस रिटेल की तरह, जनरल अटलांटिक भी प्रगति और विकास के लिए डिजिटल क्षमता में विश्वास करती है। जनरल अटलांटिक की विशेषज्ञता और भारत में निवेश के दो दशकों के उसके अनुभव का लाभ उठाने के लिए हम तत्पर हैं। क्योंकि हम देश में रिटेल की सूरत बदलने के लिए नया कॉमर्स प्लेटफार्म विकसित कर रहे हैं।'

रिलायंस रिटेल की निदेशक सुश्री ईशा अंबानी ने कहा, 'एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप जनरल अटलांटिक का स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। सभी भारतीय उपभोक्ताओं और व्यापारियों के हित में हम भारतीय रिटेल ईको-सिस्टम का विकास जारी रखेंगे। रिटेल स्पेस में जनरल अटलांटिक के पास जबरदस्त विशेषज्ञता है और इससे हमें लाभ की उम्मीद है।'

जनरल अटलांटिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिल फोर्ड ने कहा, 'जनरल अटलांटिक देश के रिटेल क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की मुकेश अंबानी के मिशन का समर्थन करती है। जनरल अटलांटिक टेक्नॉलोजी की ताकत में रिलायंस इंडस्ट्रीज की धारणा में भी गहरा विश्वास रखती है। हमें वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए एक बार फिर से रिलायंस टीम के साथ भागीदारी करने पर सम्मानित महसूस कर रहे है।'

# रक्षा मंत्रालय ने 2,290 करोड़ रुपये के सैन्य उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को 2,290 करोड़ रुपये के हथियार एवं सैन्य उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी, जिसमें अमेरिका से करीब 72,000 सिग सॉअर असॉल्ट राइफलों की खरीद शामिल है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रक्षा खरीद संबंधी निर्णय लेने वाली रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च समिति रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में इन खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि डीएसी ने जिन उपकरणों और हथियारों की खरीद को मंजूरी दी है उनमें राइफलों के अलावा वायुसेना एवं नौसेना के लिए करीब 970 करोड़ रुपये में एंटी-एयरफील्ड वेपन (एसएएडब्ल्यू) सिस्टम्स शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा, "रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुवाई वाली डीएसी ने 2,290 करोड़ रुपये के हथियार एवं सैन्य उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी।" अधिकारियों ने बताया कि सेना के अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों के लिए सिग सॉअर राइफलों की खरीद 780 करोड़ रुपये में की जाएगी। उन्होंने बताया कि डीएसी ने 'स्टेटिक एचएफ ट्रांस-रिसीवर सेट' की 'भारत निर्मित खरीद श्रेणी' में 540 करोड़ रुपये की खरीद की मंजूरी दी। एचएफ रेडियो सेट थल सेना तथा वायु सेना की जमीनी इकाइयों के बीच निर्बाध संचार में मददगार होंगे। सैन्य साजो सामान की खरीद ऐसे वक्त की जा रही है जब पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ तनाव के हालात बने हुए हैं।

# अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे बढ़कर 73.76 के स्तर बंद

**मुंबई। आईपीटी नेटवर्क**

घरेलू शेयर बाजार के सकारात्मक रुख के चलते रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे बढ़कर 73.76 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में घरेलू इकाई अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.81 पर खुली, और उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के अंत में 73.76 पर बंद हुई, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 10 पैसे की बढ़त को दर्शाता है। रुपया मंगलवार को डॉलर के मुकाबले 73.86 पर बंद हुआ था। दिन के कारोबार के दौरान रुपये ने 73.69 के उच्चतम स्तर और 73.86 के निचले स्तर को देखा। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज के मुद्रा शोध प्रमुख राहुल गुप्ता ने कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए पहली बहस में स्पष्ट रूप से डोनाल्ड ट्रंप ने कमजोर प्रदर्शन किया और यह परिणाम बाजार के अनुरूप था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 73.40 से 74 रुपये प्रति डॉलर के दायरे में रह सकता है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत बढ़कर 93.96 पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध विक्रेता थे और उन्होंने मंगलवार को सकल आधार पर 1,456.66 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.49 प्रतिशत गिरकर 40.83 डालर प्रति बैरल पर था।

# हाजिर मांग के कारण कच्चातेल वायदा कीमतों में तेजी

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

मजबूत हाजिर मांग के चलते कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा बाजार में कच्चा तेल बुधवार को चार रुपये की तेजी के साथ 2,881 रुपये प्रति बैरल हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अक्टूबर महीने की डिलिवरी वाले कच्चा तेल अनुबंध की कीमत चार रुपये यानी 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,881 रुपये प्रति बैरल हो गयी। इसमें 2,876 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार को बढ़ाने के कारण वायदा कारोबार में कच्चातेल कीमतों में तेजी आई। हालांकि वैश्विक स्तर पर, वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड का भाव 0.71 प्रतिशत गिरकर 39.01 डॉलर प्रति बैरल चल रहा था। वहीं ब्रेंट क्रूड का भाव 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40.75 प्रति बैरल के स्तर पर था।

GST Council

# ...तो इस तरह ईमानदार और डिफाल्टर व्यापारियों की पहचान आसानी से हो सकेगी

**प्रयागराज। एजेंसी**

ईमानदार और समय के पाबंद व्यापारियों के लिए खुशखबरी है। उनके लिए जीएसटी काउंसिल ने नई पहल की है। नई पहल यह है कि जो व्यापारी समय से रिटर्न जमा करेंगे, उनकी अब ग्रेडिंग की जाएगी। जल्द ही यह व्यवस्था जीएसटी पोर्टल पर लागू कर दी जाएगी। जीएसटी काउंसिल स्तर पर इसकी तैयारी भी हो रही है। ऐसा करने से अच्छे और डिफाल्टर व्यापारियों की पहचान आसानी से हो सकेगी। वहीं कारोबारियों को आइटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का लाभ लेने में परेशानी नहीं होगी।

### एक से 10 नंबर तक ग्रेडिंग तय की जाएगी

मौजूदा समय में किसी कारोबारी से व्यापारी द्वारा माल खरीदने पर उसे आइटीसी का लाभ मिलने का प्रावधान है। इसके लिए माल खरीदने और बेचने वाले व्यापारियों को रिटर्न (जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी) जमा करना जरूरी है। माल बेचने वाला रिटर्न नहीं जमा करेगा तो खरीदने वाले कारोबारी आइटीसी का लाभ नहीं पाएंगे। व्यापारियों की ओर से इस संबंध में शिकायत लगातार वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों और जीएसटी काउंसिल में की जाती रही है। इस समस्या के निराकरण के लिए व्यापारियों की ग्रेडिंग का निर्णय जीएसटी काउंसिल ने लिया है। एक से 10 नंबर तक ग्रेडिंग तय की जाएगी।

### आप भी जानें इस आधार पर होगी ग्रेडिंग

- व्यापारी लगातार समय से रिटर्न जमा कर रहा है कि नहीं
- कर अपवंचन (चोरी) में कोई कार्रवाई हुई है अथवा नहीं
- कभी माल पकडा गया या नहीं
- कभी फर्म में सर्वे हुआ या नहीं।

### सर्विस संबंधी पोर्टल पर 'नो योर सप्लायर' ऑप्शन होगा

व्यापारियों की ग्रेडिंग की जानकारी के लिए पंजीकृत कारोबारियों को जीएसटीएन की ओर से सर्विस संबंधी पोर्टल पर एक अलग ऑप्शन 'नो योर सप्लायर' मुहैया कराया जाएगा। इस पर क्लिक करते ही अच्छे और डिफाल्टर व्यापारियों का सारा ब्योरा सामने होगा। इससे व्यापारी डिफाल्टर कारोबारियों से माल लेने से बच सकेंगे और उन्हें आसानी से आइटीसी का लाभ मिल सकेगा।

### कंप्यूटर की भाषा में यह है रेडियो बटन

वाणिज्य कर विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक सर्विस संबंधी जो भी ऑप्शन व्यापारियों को मुहैया कराए गए हैं। कंप्यूटर की भाषा में उसे रेडियो बटन कहा जाता है।

# सरकार ने वित्त वर्ष 2018-19 का जीएसटी वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाई

**नयी दिल्ली।** सरकार ने वित्त वर्ष 2018-19 के लिए जीएसटी वार्षिक रिटर्न और ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समयसीमा को एक महीने बढ़ाते हुए 31 अक्टूबर 2020 तक कर दिया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईटी) ने ट्वीट किया, "आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर चुनाव आयोग से उचित मंजूरी हासिल करने के बाद सरकार ने जीएसटीआर-9 और जीएसटीआर 9सी के तहत वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की नियत तारीख को 30 सितंबर 2020 से बढ़ाकर 31 अक्टूबर 2020 तक कर दिया है।" इससे पहले सरकार ने मई में 2018-19 के लिए वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को सितंबर 2020 तक तीन महीने के लिए बढ़ाया था। जीएसटीआर-9 एक वार्षिक रिटर्न है, जो करदाताओं द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) शासन के तहत दाखिल किया जाता है। इसके तहत साल भर की कारोबारी गतिविधियों की पूरी जानकारी देनी होती है। जीएसटीआर-9सी एक तरह का ऑडिट फॉर्म होता है, जिसे जीएसटीआर-9 और ऑडिट किए गए वार्षिक वित्तीय विवरण के बीच एक सामंजस्य की घोषणा माना जाता है।

### चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की मांग

चार्टर्ड एकाउंटेंट निकाय भारतीय सनदी लेखकार संस्थान (आईसीएआई) ने जीएसटी परिषद को पत्र लिखकर वित्त वर्ष 2018-19 के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का सालाना रिटर्न भरने की समसीमा तीन महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर करने का आग्रह किया था। आईसीएआई का कहना था कि ज्यादातर अधिकारी कोविड-19 महामारी के कारण आंशिक रूप से काम कर रहे हैं। आईसीएआई ने इसकी समयसीमा 3 महीने बढ़ाने की मांग की थी लेकिन सरकार ने इसे एक महीने आगे बढ़ाया है।

# मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया ने 5वें 'ओन बिजनेस डे' की घोषणा की

## छोटे और स्वतंत्र व्यवसायों के प्रति अपनी वचनबद्धता को दोहराते हुए

**इंदौर।** भारत के सबसे बड़े मॉडर्न होलसेलर और फूड स्पेशलिस्ट , मेट्रो कैश एंड कैरी, अपने पांचवें 'ओन बिजनेस डे' (ओबीडी) पर छोटे और लघु व्यटवसायों के लिए अनेक डिजिटल समाधान ला रहा है। 'ओन बिजनेस डे' हर वर्ष अक्टूबर के दूसरे मंगलवार (13 अक्टूबर) को मनाया जाने वाला विशेष दिन है। सभी स्वडतंत्र 'ओन बिजनेसेज' के भाग लेने हेतु पंजीकरण पहले ही शुरू हो चुका है। इस पहल के तहत, कंपनी द्वारा छोटे व्यनवसायों और किराना दुकानों को उनके बिजनेस गूगल पर सूचीबद्ध करने के लिए सहायता दी जा रही है, ताकि वो अपने व्यउवसाय की दृश्यरता, राजस्वह एवं फुटफॉल्स बढ़ा सकें। आगामी त्यौहारी मौसम में स्वयं को तैयार रखने हेतु किराना दुकानों को विशेष ऑफर्स देने के अलावा, किराना दुकानों को मेट्रो के ई-कॉमर्स एप्प पर ऑर्डर देने के लिए भी लाभ प्रदान किया जा रहा है जिसमें चुनिंदा दिनों को निःशुल्क डिलिवरी की सुविधा भी शामिल है। इस वर्ष के समारोह में किराना दुकानों और छोटे, मध्यहम व्यसवसायों के प्रयासों को भी प्रोत्साहन दिया जायेगा, जो अपने व्यवसायों को चलाने और कोविड-19 महामारी के विपरीत प्रभावों से लड़ने के लिए जूझ रहे हैं। त्योहारी उमंग को बढ़ाने के लिए, मेट्रो द्वारा देश भर के किराना स्टोर्स और अन्य छोटे व मध्यम कारोबारियों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। आगामी त्यौहारी मौसम की तैयारी के लिए, मेट्रो ने किराना दुकानों और छोटे, लघु व्यमवसायों को 'विशेष' ऑफर्स देने के लिए अपने सप्लामयर पार्टनर्स के साथ सहयोग किया है और वो दुकानदार व व्यशवसायी अपने लक्षित ग्राहकों को 'स्पे शल ऑफर्स' देने का निर्णय ले सकते हैं। इस संपूर्ण पहल का उद्देश्य व्यवसाइयों के लिए विशेषकर त्योहारी मौसम के दौरान फुटफॉल्सत, ग्राहक आधार और राजस्व बढ़ाना है। इसके अलावा, मेट्रो द्वारा अपने कार्यबल को ओन बिजनेस डे में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है और उनसे कहा जा रहा है कि वो अपनी मनपसंद किराना दुकान को सपोर्ट करें जिससे उनका दैनिक जीवन समृद्ध होगा और मेट्रो पर पंजीकृत किसी भी किराना स्टोर में खरीदारी करने पर प्रत्येवक कर्मचारी को 1500 रु. का उपहार दिया जायेगा। ओन बिजनेस डे के बारे में बताते हुए, मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री अरविंद मेडिरट्टा ने कहा, "हम छोटे व्यवसायों और किराना दुकानों को डिजिटल समाधानों के जरिए सशक्त बनाने की हमेशा से पैरवी करते रहे हैं और हमने उनके लिए तकनीक-समर्थित समावेशी विकास को बढ़ावा दिया है। कोविड-19 संकट के चलते उपभोक्ताओं के व्यववहार में काफी परिवर्तन आया है, और स्वयं के व्यावसायों के लिए तकनीक को अपनाना बेहद आवश्यक हो गया है।

# सूचीबद्ध कंपनियों को खातों की फारेंसिंक जांच शुरू होने की सूचना देनी होगीः सेबी

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

सूचनाओं की उपलब्धता में खामी को दूर करते हुये पूंजी बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल ने मंगलवार को यह फैसला किया कि सूचीबद्ध कंपनियों को उनके खातों की फारेंसिंक जांच शुरू होने के बारे में जानकारी देनी होगी। निदेशक मंडल ने इसके साथ ही कार्पोरेट बॉड बाजार में रेपो खरीद फरोख्त को बढ़ावा देने के लिये 'लिमिटेड परपज रेपो क्लियरिंग कार्पोरेशन' की स्थापना के प्रसताव को भी मंजूरी दे दी। सेबी निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी वक्तव्य में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि सूचीबद्ध कंपनियों को उनके खातों में फारेंसिक आडिट जांच शुरू होने के बारे में जानकारी उपलब्ध करानी होगी। इसके साथ ही आडिट करने वाली कंपनी का नाम और फारेंसिक आडिट होने की वजह भी शेयर बाजारों को बतानी होगी। इसके साथ ही कंपनियों को नियामकीय अथवा प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा फारेंसिंक आडिट शुरू किये जाने और प्रबंधन की टिप्पणी के साथ सूचीबद्ध कंपनी द्वारा अंतिम फारेंसिंक आडिट रिपोर्ट प्राप्त होने की पूरी जानकारी भी शेयर बाजारों को उपलब्ध करानी होगी।

## Bank Holiday October 2020

# ये रही अक्टूबर में छुट्टियों की पूरी लिस्ट, बैंक जाने से पहले जरूर देखें

सितंबर का महीना आज खत्म हो चुका है और कल से अक्टूबर का महीना शुरू हो रहा है। ये महीना बहुत सारे त्योहारों से भरा हुआ है। यानी एक बात तो साफ है कि इस महीने में छुट्टियां भी खूब होंगी। हमने आपके लिए उन सभी छुट्टियों की एक लिस्ट (Full list of holidays in october) बनाई है, ताकि आप अपने परिवार के साथ कहीं घूमने-फिरने का प्रोग्राम बना सकें और किसी भी तरह की परेशानी से भी बच सकें। छुट्टियों की ये लिस्ट आपको इस बात का आइडिया भी देगी कि अक्टूबर में बैंक कितने दिन खुलेंगे और कितने दिन बंद (Bank Holiday October 2020) रहेंगे। ऐसे में बैंक के लिए घर से निकलते वक्त एक बार इस लिस्ट को जरूर देखें। छुट्टियों की ये लिस्ट पूरे देश के हिसाब से बनाई गई है। देश के अलग-अलग हिस्सों में छुट्टियां अलग-अलग दिन रह सकती हैं। जैसे पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड में दुर्गा पूजा पर लंबी छुट्टी रह सकती है, तो गुजरात में नवरात्रि और पटेल जयंती पर छुट्टी रह सकती है। हालांकि, देश के अधिकतर हिस्सों में ये छुट्टियां रहेंगी ही, इनकी संख्या में कुछ कमी-बढोतरी दिख सकती है। तमाम राज्य सरकारें अपने-अपने हिसाब से अपने यहां ये छुट्टियां घोषित करती हैं। हालांकि, राष्ट्रीय छुट्टी के मौके पर देश भर के बैंक बंद ही रहते हैं, जैसे गांधी जयंती और विजय दशमी।

02 अक्टूबर, शुक्रवार- गांधी जयंती
08 अक्टूबर, गुरुवार- चेल्लम (एक क्षेत्रीय पर्व)
17 अक्टूबर, शनिवार- कटि बिहू (असम का त्योहार)
23 अक्टूबर, शुक्रवार- महासप्तमी (नवरात्रि)
24 अक्टूबर, शनिवार- अष्टमी (नवरात्रि)
25 अक्टूबर, रविवार- नवमी नवरात्रि
26 अक्टूबर, सोमवार- विजय दशमी (दशहरा)
29 अक्टूबर, गुरुवार- मिलाद ए शरीफ (एक क्षेत्रीय पर्व)
30 अक्टूबर, शुक्रवार- ईद ए मिलाद
31 अक्टूबर, शनिवार- पटेल जयंती/महर्षि वाल्मीकि जयंती

### इन दिन भी ना जाएं बैंक

बैंक जाने से पहले ऊपर दी गई छुट्टियों की लिस्ट तो देखें ही, साथ ही कुछ और भी दिन हैं, जिस दिन बैंक बंद रहते हैं। दरअसल, ये हैं हर महीने के साप्ताहिक अवकाश। आइए जानते हैं अक्टूबर महीने में किस-किस दिन पड़ रहे हैं ये अवकाश।

04 अक्टूबर, रविवार- साप्ताहिक अवकाश
10 अक्टूबर, शनिवार – सेकंड सैटर्डे
11 अक्टूबर, रविवार – साप्ताहिक अवकाश
18 अक्टूबर, रविवार- साप्ताहिक अवकाश
24 अक्टूबर, शनिवार- सेकेंड सैटर्डे
25 अक्टूबर, रविवार- साप्ताहिक अवकाश इसी दिन नवरात्रि भी है।

# टाइम्स इंटरनेट M360 और गूगल के बीच पार्टनरशिप डिजिटल पब्लिशर्स को मिलेगा मॉनेटाइज़ेशन का मौका

**नई दिल्ली। एजेंसी**

टाइम्स इंटरनेट के पब्लिशिंग और मॉनेटाइजेशन प्लेटफॉर्म M360 ने गूगल के साथ गूगल ऐड मैनेजर पार्टनर के तौर पर पार्टनरशिप कर ली है। यानी अब गूगल ऐड मैनेजर के प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर के M360 पब्लिशर्स के कंटेंट को मॉनेटाइज कर सकेगा। टाइम्स और गूगल के बीच गूगल ऐड मैनेजर पर काफी लंबे समय से पार्टनरशिप है। मेड इन इंडिया M360 होस्टिंग और मॉनेटाइजेशन का प्लेटफॉर्म है, जिसने पिछले महीनों में तेजी से ग्रोथ की है। यह प्लेटफॉर्म टाइम्स इंटरनेट ग्रुप के बाहर भी करीब 2.5 करोड़ मंथली एक्टिवि यूजर्स को अपनी सेवाएं देता है। गूगल ऐड मैनेजर के अलावा M360 टाइम्स इंटरनेट के प्रीमियम ऐड़ नेटवर्क कोलंबिया ऑडिएंस नेटवर्क की भी मदद करता है, जिससे विज्ञापनदाताओं और एजेंसियों को बेहतर सेवा मुहैया कराई जा सके।

टाइम्स इंटरनेट के सीओओ पुनीत गुप्त ने बताया- 'M360 और गूगल की पार्टनरशिप का क्या मतलब है। उन्होंने कहा M360 का उद्देश्य छोटे से छोटे डिजिटल पब्लिशर के लिए भी टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट लाना है, ताकि वह अपने यूजर्स के लिए शानदार कंटेंट ला सकें। हमें गूगल के साथ हाथ मिलाकर बेहद खुशी हो रही है, जिसके जरिए M360 प्लेटफॉर्म पर भारत के पब्लिशर्स की मॉनेटाइजेशन कैपेसिटी को बढ़ाया जा सकेगा।'

M360 के को-फाउंडर अर्जुन सत्या ने कहा- 'हम 8 महीने पहले M360 प्लेटफॉर्म के शुरू होने के बाद से ही लगातार गूगल की टीम के साथ काम कर रहे हैं। यह पार्टनरशिप पब्लिशर्स के लिए एक शानदार पब्लिशिंग प्लेटफॉर्म बनाने काफी अहम साबित होगी, जिसके जरिए पब्लिशर्स अपनी आय और अपने यूजर दोनों ही बढ़ा सकते हैं।' गूगल इंडिया के डायरेक्टर जयवीर नागी ने कहा- 'टाइम्स और गूगल के बीच कई क्षेत्रों में लंबे समय से साझेदारी है। हम इस पार्टनरशिप का स्कोप और बढ़ाने के लिए बेहद उत्सुक हैं, ताकि पब्लिशर कम्युनिटी को सपोर्ट किया जा सके और भारत में शानदार कंटेंट की राह प्रशस्त हो सके।' वहीं, Google APAC के डायरेक्टर और प्रमुख रू हिरयामा इस पार्टनरशिप के बारे में कहते हैं, 'गूगल और टाइम्स इंटरनेट की विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से पार्टनरशिप रही है और इस पार्टनरशिप को और बढ़ाकर हम काफी खुश हैं। हमें उम्मीद है कि यह पहल अन्य पब्लिशर्स को उनकी डिजिटल यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित करेगी ताकि हम मिलकर भारत में एक डिजिटल पब्लिशर्स इकोसिस्टम बना सकें।'

M360 का होस्टिंग और सीएमएस मीडिया ऑर्गेनाइजेशन को बिना रुके तेजी से लोड होने वाले ऐड कंटेंट बनाने में मदद करता है, जिसके चलते उसी ऐड के लिए अधिक सीपीएम यानी कॉस्ट पर माइल मिलते हैं। M360 की वजह से पब्लिशर्स को अपने यूजर्स को रोकने और उनका एंगेजमेंट बढ़ाने में मदद मिलती है। इसकी मदद से यूजर्स को उसके हिसाब से बेस्ट ऐड और कंटेंट दिखाने में मदद मिलती है। M360 ने पब्लिशर्स के लिए एक इंटिग्रेटेड पुश नोटिफिकेशन और न्यूजलेटर मैनेजमेंट सर्विस भी शुरू की है, जिससे वह अपने यूजर्स को अच्छे से एंगेज कर सकें।

जो पब्लिशर अपनी अभी की होस्टिंग को M360 प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर रहे हैं, उन्हें अपने पेज सीपीएम में शिफ्टिंग के कुछ ही महीनों में 30 से 160 फीसदी तक का उछाल देखने को मिल रहा है। कोरोना महामारी की वजह से पब्लिशर्स का ऐड रेवेन्यू काफी प्रभावित हुआ है। श360 और गूगल के बीच पार्टनरशिप से पब्लिशर्स की कमाई बढ़ेगी, वो भी बहुत ही कम सब्सक्रिप्शन फीस में। वहीं इंजीनियरिंग और आईटी कॉस्ट के नाम पर पब्लिशर्स को कुछ भी नहीं देना है।

# एफएसएसएआई की खाद्य तेलों में विटामिन ए और डी के सम्मिश्रण को अनिवार्य करने की तैयारी

**नई दिल्ली। एजेंसी**

खाद्य नियामक एफएसएसएआई, खाद्य तेल निर्माताओं को विटामिन ए और डी का खाद्यतेल में सम्मिश्रण अनिवार्य करने के बारे में विचार कर रहा है, जो शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने में मददगार होते हैं। एफएसएसएआई के सीईओ अरुण सिंघल ने कहा, "एफएसएसएआई खाद्य तेलों को विटामिन ए और डी से संवर्धित करना अनिवार्य बनाने के बारे में विचार कर रहा है ताकि भारत के लोग बेहतर प्रतिरक्षा तंत्र का लाभ ले सकें।" शनिवार को एक बयान में कहा गया कि वह भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के तहत आने वाले खाद्य संवर्धन संसाधन केंद्र (एफएफआरसी) के 'ग्लोबल अलायंस फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन' (जीएआईएन) के साथ मिलकर आयोजित खाद्य तेल संवर्धन पर एक राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। सिंघल ने कहा कि खाद्य तेल के पौष्टिक तत्वों के साथ सम्मिश्रण किये जाने से यह सुनिश्चित होगा कि विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों की देश भर में खाद्य तेलों तक पहुंच आसान हो। बयान में कहा गया है, "भारत में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी सहित कुपोषण का बहुत अधिक समस्या है। हमारे देश में एक बड़ी आबादी विटामिन ए और डी की कमी से पीड़ित है। हमारे शरीर में इन विटामिनों की कमी रुग्णता, मृत्यु दर, उत्पादकता और आर्थिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।' इसमें कहा गया है कि विटामिन ए और डी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं, जो कोविड -19 महामारी के समय में महत्वपूर्ण है। सिंघल ने कहा कि उद्योग की सुविधा के लिए, एफएफआरसी खाद्य तेल के पौष्टिक तत्वों से सम्मिश्रण करने के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। राजस्थान के उदाहरण का हवाला देते हुए, विज ने कहा कि राजस्थान में वर्ष 2011 से खाद्य तेल का पौष्टिक तत्वों से सम्मिश्रण का काम किया जा रहा है, जिससे राज्य में 10 से 19 साल के बच्चों में विटामिन ए की कमी में पर्याप्त कमी हुई है।

# कर विभाग ने 33.54 लाख करदाताओं को 1.18 लाख करोड़ रुपये लौटाये

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

आयकर विभाग ने बुधवार को कहा कि उसने 29 सितंबर तक पिछले छह महीने में 33 लाख करदाताओं को 1.18 लाख करोड़ रुपये रिफंड किये। इसमें व्यक्तिगत आयकर श्रेणी में 31.75 लाख करदाताओं को 32,230 करोड़ रुपये जारी किये गये। वहीं 1.78 लाख करदाताओं को 86,094 करोड़ रुपये कंपनी कर मद में जारी किये गये। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने ट्विटर पर लिखा है, "सीबीडीटी ने एक अप्रैल, 2020 से 29 सितंबर, 2020 के दौरान 33.54 लाख करदाताओं को 1,18,324 करोड़ रुपये जारी किये। आयकर मामले में 31,75,358 करदाताओं को 32,230 करोड़ रुपये रिफंड किये गये। वहीं कंपनी कर श्रेणी में 1,78,540 करदाताओं को 86,094 करोड़ रुपये जारी किये गये।" सरकार कोविड-19 संकट के दौरान करदाताओं को सुगमता से कर संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। इसी के तहत तेजी से लंबित कर राशि वापस की जा रही है।

# भारत ने चीन से औषधि बनाने में उपयोग कच्चे माल की कथित डंपिंग की जांच शुरू की

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

भारत ने औषधियों में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल सेफ्ट्रिजोन सोडियम स्टेराइल की चीन से कथित डंपिंग की जांच शुरू की है। घरेलू विनिर्माताओं की शिकायत पर यह कदम उठाया गया है। नेक्टर लाइफ साइंसेस एंड स्टेरिल इंडिया ने वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) के समक्ष आवेदन देकर डंपिंग की जांच शुरू किये जाने का आग्रह किया था। डीजीटीआर की अधिसूचना के अनुसार चीन से सस्ते दाम पर निर्यात से घरेलू विनिर्माताओं के हितों को नुकसान पहुंच रहा है। सेफ्ट्रिजोन सोडियम स्टेराइल रसायन या कच्चा माल है जिसका उपयोग पेटों के अंदर संक्रमण, त्वचा संक्रमण और श्वसन संबंधी संक्रमण जैसी बीमारियों के इलाज में किया जाता है। अधिसूचना के अनुसार डंपिंग को लेकर आवेदन और जरूरी साक्ष्य उपलब्ध कराने जाने के बाद प्राधिकरण ने मामले की जांच शुरू की है। अगर डीजीटीआर को जांच में डंपिंग का पता चलता, जिससे घरेलू विनिर्माताओ के हितों का नुकसान हो रहा है, वह डंपिंग रोधी शुल्क की सिफारिश करेगा। डीजीटीआर शुल्क की सिफारिश करता है जबकि वित्त मंत्रालय इसे अमल में लाता है। जांच की अवधि अप्रैल 2019 से मार्च 2020 है। इसमें अप्रैल 2016 से 2019 के आंकड़ों पर भी गौर किया जाएगा।

# एनटीपीसी का चालू वित्त वर्ष में 98,000 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने चालू वित्त वर्ष में परिचालन से 98,000 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रखा है। साथ ही कंपनी की अपने खदानों से 1.5 करोड़ टन कोयला उत्पादन की योजना बनायी है। बिजली उत्पादक कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि बिजली मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के अनुसार एनटीपीसी ने 2020-21 में 340 अरब यूनिट बिजली उत्पादन का भी लक्ष्य रखा है। एमओयू के तहत एनटीपीसी चालू वित्त वर्ष 21,000 करोड़ रुपये का पूंजी व्यय और 1.5 करोड़ टन कोयला उत्पादन करेगी। समझौता ज्ञापन पर बिजली सचिव संजीव नंदन सहाय और एनटीपीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने दस्तखत किये। एनटीपीसी समूह की 20,000 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं निर्माणधीन हैं। इसमें 5,000 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता शामिल हैं। एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित क्षमता 62,900 मेगावाट है। इसमें 24 कोयला आधारित बिजलीघर, 13 नवीकरणीय ऊर्जा समेत कुल 70 बिजलीघर हैं।

# सभी को सिकुड़ी हुई या ब्लॉक ब्लड वैसल्स के उपचार के रूप में एंजियोप्लास्टी के बारे में जानना चाहिए

**इंदौर।** भारत में कोरोनरी आर्ट्री रोग (सीएडी) की घटनाएं बढ़ रही है।इसका कारण फैट, नमक और चीनी से भरपूर आहार का सेवन, शारीरिक व्यायाम की कमी, बहुत अधिक धूम्रपान, शराब का सेवन और हाई लेवल स्ट्रेस लेना है । कहने का मतलब है इसके लिए हमारे द्वारा अपनाया गया अनहेल्दी लाइफस्टाइल जिम्मेदार है। विश्व हृदय दिवस पर, इससे बचने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने की तुरंत आवश्यकता है ।

एक या एक से अधिक आर्ट्री के सिकुड़ने से हृदय को खून पहुंचानेमें ज्यादा मेहनत, ज्यादा दवाब झेलना पड़ता है, जिसे एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है।यह स्थिति तब होती है जब एक मोम जैसा पदार्थ आर्ट्री के अंदर बनता है, जिससे खून का बहाव रुक जाता है।समय के साथ, रुकावट बढ़ती जाती है, जिससे एनजाइना और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

एंजियोप्लास्टी, जिसे पर्कुटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन के रूप में भी जाना जाता है, ब्लॉक आर्ट्री को खोलने के लिए एक सुरक्षित और अनुशंसित उपचार विकल्प है।इसमें एक छोटा बैलून कैथेटर को ब्लॉक ब्लड वैसल में डाला जाता है ताकि इसे चौड़ा किया जा सके और हृदय में खून के बहाव को बेहतर बनाया जा सके।इसे आमतौर पर एक छोटे तार जाल ट्यूब के साथ जोड़ा जाता है जिसे स्टेंट कहते हैं।यह प्रक्रिया पैर के माध्यम से या कलाई के माध्यम से की जा सकती है।कलाई द्वारा एंजियोप्लास्टी करने से आपको बेचैनी कम होती है और अस्पताल में आपके कम से कम समय तक रहने की उम्मीद बढ़ती है, जो मौजूदा हालात में बहुत महत्व रखता है।

इस बारे में बात करते हुए, डॉ. सरिता राव, वरिष्ठ सलाहकार और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, अपोलो राजश्री अस्पताल, इंदौर ने कहा,एंजियोप्लास्टी एक अनुशंसित उपचार विकल्प है । यदि रोगी के स्वास्थ्य में दवाओं और जीवन शैली में बदलाव करने के बाद भी सुधार नहीं हो रहा है, और रोगी छाती में दर्द का अनुभव कर रहा है तो रोगी को दिल का दौरा पड़ा है। '

**- डॉ. सरिता राव (वरिष्ठ सलाहकार और इंटरवेंशनल हृदय रोग विशेषज्ञ - अपोलो राजश्री अस्पताल, इंदौर)**

**अस्वीकारकरण** -लेख में दी गई सभी जानकारी केवल एक सामान्य अवलोकन और शैक्षिक उद्देश्यों के लिए लेखक द्वारा व्यक्त किए गए स्वतंत्र विचार हैं।

यह प्रक्रिया सुरक्षित हैफिर भी इसमें कुछ जोखिम तो हैं ही, जैसे कि आर्ट्री का फिर से सिकुड़ जाना, खून के थक्केऔर पैर या हाथ से खून बहना, जहां एक कैथेटर डाला गया था। उन्होंने आगे कहा 'नोवेल कोरोनरी इंटरवेंशन डिवाइस के विकास के साथ जैसे कि स्मॉल शेथ्स, गाइडिंग कैथेटर, ड्रग-एल्यूटिंग स्टेंट, और गुब्बारे की वजह सेखून बहने समेत एंजियोप्लास्टी की वजह से समस्या काफी कम देखी गई है' ।

नए यूएसएफडीए द्वारा मान्यता प्राप्त ड्रग-एल्यूटिंग स्टेंट का विकास इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में विकास कर रहा है।ये आर्ट्री को खोलने और फिर से उसके सिकुड़ने की संभावना को कम करने में मदद करते हैं।वे आर्ट्री को खुला रखने के लिए एक दवा साथ में डालते हैं और डायबिटीज़, हाई ब्लीडिंग रिस्क जैसी जटिलताओं के उन रोगियों में सुरक्षित उपयोग के लिए अच्छी तरह से अध्ययन किया जाता है जिन्हें एंजियोप्लास्टी के एक महीने बाद दवा रोकनी पड़ सकती है।

हृदय रोग के कुछ सामान्य लक्षण जिनके विषय में आपको पता होना चाहिए :

थकान :यह कई बीमारियों और दवाओं के कारण हो सकता है।हालांकि, लगातार थकान कभी-कभी हार्ट फेल (ऐसी स्थिति जिसमें दिल अच्छी तरह से पंप करने में विफल रहता है) या कोरोनरी आर्टी रोग का संकेत दे सकता है।

दर्द :हृदय रोग से संबंधित दर्द हमेशा छाती में महसूस नहीं होता। यह कभी-कभी कंधे, हाथ, पीठ, जबड़े या पेट में हो सकता है।यदि इन क्षेत्रों में दर्द होता है और आराम के साथ गायब हो जाता है, तो यह हृदय रोग का संकेत हो सकते हैं।

सांस लेने में कठिनाई :शारीरिक गतिविधि के साथ सांस लेने में हो रही परेशानी की दिल संबंधी रोग का संकेत दे सकती है।

सूजे हुए पैर या टखने :पैर, टखने या पैर में सूजन दिल की बीमारी का संकेत दे सकती है। सूजे हुए क्षेत्र को दबाने पर, यदि एक इंडेंटेशन होता है, तो डॉक्टर से संपर्क करे ।

घबराहट :पैल्पिटेशन को दिल की धड़कन के रूप में बताया जाता है जो कभी भी या तेज महसूस होता है।ज्यादातर पैल्पिटेशन नुकसान नहीं करती हैं। वे चिंता, कैफीन का सेवनया डिहाइड्रेशन के कारण हो सकती हैं। हालांकि, कभी-कभी पैल्पिटेशन दिल की समस्या का संकेत देती है।

वायरस के तेज़ प्रभाव के आधार पर महामारी की इस समय के दौरान जोखिम हैं कि वायरल संक्रमण कोरोनरी आर्ट्री में एथेरोस्क्लोरोटिक जमें हुए फैट के टूटने का कारण बन सकता है, जिससे तेज़ कोरोनरी सिंड्रोम (हार्ट अटैक) होता है।यदि आपको भी यह संदेह है, तो देरी न करें । जिन लोगों को कोरोना वायरस के लक्षणों के दौरान सीने में गंभीर दर्द या और कोई अनुभव होता है, उन्हें तुरंत हेल्थ केयर एडवाइज़ टीम को फोन करना चाहिए।

## भारी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 95 अंकों की बढ़त के साथ बंद

**मुंबई। एजेंसी**

मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच एचडीएफसी, एचयूएल और आईटीसी जैसे बड़े शेयरों में तेजी के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स बुधवार को 95 अंकों की बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स में दिन के कारोबार के दौरान भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला और यह 94.71 अंक या 0.25 प्रतिशत बढ़त के साथ 38,067.93 पर बंद हुआ। इसी तरह कारोबार के अंत में एनएसई निफ्टी 25.15 अंक या 0.22 प्रतिशत बढ़कर 11,247.55 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक तीन प्रतिशत की बढ़त टेक महिंद्रा में हुई, जिसके बाद टाइटन, नेस्ले इंडिया, एचयूएल, आईटीसी, एशियन पेंट्स और एचडीएफसी का स्थान रहा। दूसरी ओर भारती एयरटेल, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम और सन फार्मा में गिरावट हुई। कारोबारियों के मुताबिक अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की पहली बहस के बाद मिलेजुले वैश्विक संकेतों के चलते घरेलू शेयर बाजार में सतर्क रुख देखने को म मिला। यूरोपीय शेयर बाजारों में शुरुआत गिरावट के साथ हुई। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 41.05 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था। दूसरी ओर विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे बढ़कर 73.76 पर बंद हुआ।

# RBI से बैंकों को एक और राहत

## इस नियम को 6 महीने के लिए टाला गया

***नई दिल्ली। एजेंसी***

***बैंकों को राहत देते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने संरक्षित पूंजी भंडार ( कंजर्वेटिव कैश बफर ) नियम लागू करने को छह महीने स्थगित कर दिया। सीसीबी नियम के तहत बैंकों को 0.625 प्रतिशत का अतिरिक्त पूंजी भंडार रखना अनिवार्य होगा। केंद्रीय बैंक ने यह निर्णय कोविड-19 संकट के चलते किया है।***

रिजर्व बैंक ने एक नोटिफिकेशन में कहा कि इस नियम का अनुपालन 30 सितंबर तक होना था। अब इसे एक अप्रैल 2021 तक के लिये टाल दिया गया है। नोटिफिकेशन के मुताबिक, 'कोविड-19 संकट के चलते लगातार बने दबाव को देखते हुए सीसीबी के 0.625 प्रतिशत के आखिरी चरण को लागू करने की अंतिम तिथि को 30 सितंबर 2020 से बढ़ाकर एक अप्रैल 2021 कर दिया गया है।'

कोरोना के कारण इंडिया बैंकिंग सेक्टर की हालत काफी खराब है। उनके सामने ऋ्रं का बढ़ता पहाड़ बहुत बड़ी चुनौती है। पिछले दिनों एक रिपोर्ट आई थी कि सरकार दूसरी तिमाही के नतीजे आने के बाद बैंकों को 20 हजार

करोड़ का फंड जारी कर सकती है। इसके अलावा रिजर्व बैंक के मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक 29 सितंबर से जारी है। कल गवर्नर शक्तिकांत दास मीडिया से बात करेंगे और श्इ्र द्वारा लिए गए फैसले के बारे ममें जानकारी देंगे।

## चीनी मिलें 15 अक्टूबर तक नए माध्यम से इथेनॉल के प्रस्ताव दे सकती हैं: सरकार

**नयी दिल्ली।** खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्र ने चीनी मिलों के लिए 15 अक्टूबर तक एक महीने के लिए एक नए माध्यम की शुरुआत की है, जिसके जरिए वे देश में इथेनॉल मिश्रण की क्षमता तैयार करने के लिए घटी ब्याज दरों पर ऋण लेने के लिए प्रस्ताव दाखिल कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने जून 2018 में घोषित प्रोत्साहन योजना के तहत डिस्टिलरी स्थापित करने या मौजूदा इकाई की क्षमता बढ़ाने के लिए चीनों मिलों को आसान शर्तों पर ऋण देने की पेशकश की थी। सरकारी की इस योजना का मकसद चीनी मिलों को गन्ने से इथेनॉल बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत सरकार ने अनुदान को दोगुना कर दिया है, जो 22,000 करोड़ रुपये की ऋण राशि पर करीब 4,600 करोड़ रुपये है। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, "अब तक 3,500 करोड़ रुपये के 68 प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई है और बैंकों ने उनके ऋण को मंजूरी दी है। इन प्रस्तावों के लिए अब एक नया माध्यम शुरू किया गया है।" यह माध्यम 15 सितंबर से एक महीने के लिए खोला गया है। उन्होंने कहा कि जिन मिलों के आवेदन कुछ शर्तों को पूरा नहीं करने के चलते पहले खारिज कर दिए गए थे, भी ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं।

# मंगल प्रदोष रखने से उतर जाता है कर्ज और मिट जाता है मर्ज

हर महीने की दोनों पक्षों की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाता है। अलग-अलग दिन पड़ने वाले प्रदोष की महिमा अलग-अलग होती है। सोमवार का प्रदोष का सोम प्रदोष, मंगलवार को आने वाला भोम भौम और अन्य वार को आने वाला प्रदोष सभी का महत्व और लाभ अलग-अलग है।

**भौम प्रदोष :** मंगलवार को आने वाले इस प्रदोष को भौम प्रदोष कहते हैं। इस दिन स्वास्थ्य सबंधी सभी तरह की समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। इस दिन प्रदोष व्रत विधिपूर्वक रखने से कर्ज से छुटकारा मिल जाता है। इस दिन हनुमानजी की विधिवत रूप से पूजा करना चाहिए।

**प्रदोष व्रत फल :** हर महीने की दोनों पक्षों की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाता है। अलग-अलग दिन पड़ने वाले प्रदोष की महिमा अलग-अलग होती है। सोमवार का प्रदोष, मंगलवार को आने वाला प्रदोष और अन्य वार को आने वाला प्रदोष सभी का महत्व और लाभ अलग अलग है। दोष काल में उपवास में सिर्फ हरे मूंग का सेवन करना चाहिए, क्योंकि हरा मूंग पृथ्वी तत्व है और मंदाग्नि को शांत रखता है।

**प्रदोष कथा :** प्रदोष को प्रदोष कहने के पीछे एक कथा जुड़ी हुई है। संक्षेप में यह कि चंद्र को क्षय रोग था, जिसके चलते उन्हें मृत्युतुल्य कष्टों हो रहा था। भगवान शिव ने उस दोष का निवारण कर उन्हें त्रयोदशी के दिन पुनःजीवन प्रदान किया अतः इसीलिए इस दिन को प्रदोष कहा जाने लगा। भौम प्रदोष की कथा हनुमानजी से जुड़ी हुई है।

## अगर पूजा के दौरान नारियल खराब निकले तो...

अक्सर कोई भी शुभ कार्य के दौरान हम नारियल को तोड़कर उसकी शुरुआत करते हैं ताकि सभी कुछ मंगल हो और शुभ हो। ऐसे में कई बार हम जो नारियल भगवान को अर्पित करते हैं वो खराब निकल जाता है तो ऐसे में शास्त्र क्या कहते हैं ये हम आपको बताने जा रहे हैं। अगर नारियल अंदर से खराब निकल जाए तो कुछ लोग ये मानते हैं कि भगवान इसका बुरा संकेत दे रहे हैं।

लेकिन आपको बता दें ऐसा कुछ नही होता बल्कि ये शुभ संकेत होता है। अगर चढ़ाया हुआ नारियल अंदर से खराब निकल जाये तो इसका अर्थ होता है भगवान ने आपका चढ़ावा ग्रहण कर लिया है और यही कारण है तो नारियल खराब होता है। अगर आपका नारियल खराब निकल गया है तो भवान आपकी मनोकामना पूरी करेंगे। उस नारियल की जगह आप दूसरा नारियल चढ़ाकर फोड़कर सभी भक्तों में बाँट सकते हैं जो कि भगवान का ही प्रसाद होगा।

## इन चीजों को काबू में रखने की कोशिश होती है बेकार

***शुक्राचार्य ने अपनी एक नीति में उन 6 चीजों के बारे में बताया है जिनको काबू में रखने की कोशिशें बेकार हैं, क्योंकि उनका स्वभाव ही हमेशा चलने का है। इन चीजों को काबू में करने की बजाय धर्म के मार्ग पर चलते हुए उनका उपभोग करना ज्यादा बेहतर है। शुक्र नीति में ऐसी ही 6 वस्तुओं के बारे में बताया गया हैं, जिन्हें हमेशा अपने पास बनाए रखना किसी के लिए भी संभव नहीं है।***

### श्लोक

यौवनं जीवितं चित्तं छाया लक्ष्मीश्र्च स्वामिता।
चंचलानि षडेतानि ज्ञात्वा धर्मरतो भवेत्।।

अर्थ – यौवन, जीवन, मन, छाया, लक्ष्मी और सत्ता ये छह चीजें बहुत चंचल होती हैं, इसे समझ लेना चाहिए और धर्म के कार्यों में रत रहना चाहिए।

### जवानी

हर कोई चाहता है कि उसका रूप-रंग हमेशा ऐसे ही बना रहे, वो कभी बूढ़ा न हो, लेकिन ऐसा होना किसी के लिए भी संभव नहीं होता है। यह प्रकृति का नियम है कि एक समय के बाद हर किसी की युवावस्था उसका साथ छोड़ती ही है। अब हमेशा युवा बने रहने के लिए मनुष्य चाहे कितनी ही कोशिशें कर ले, लेकिन ऐसा नहीं कर पाता।

### जीवन

जन्म और मृत्यु मनुष्य जीवन के अभिन्न अंग है। जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित ही है। कोई भी मनुष्य चाहे कितने ही पूजा-पाठ कर ले या दवाइयों का सहारा ले, लेकिन एक समय के बाद उसकी मृत्यु होगी ही।

### मन

मन बहुत ही चंचल होता है। कई लोग कोशिश करते हैं कि उनका मन उनके वश में रहे। लेकिन कभी न कभी वो उनके अनियंत्रित हो ही जाता है और वे ऐसे काम कर जाता है, जो नहीं करना चाहिए।

### परछाई

मनुष्य की परछाई उसका साथ सिर्फ तब तक देती है, जब तक वह धूप में चलता है। अंधकार आते ही मनुष्य की छाया भी उसका साथ छोड़ देती है।

### लक्ष्मी

मन की तरह ही धन का भी स्वभाव बड़ा ही चंचल होता है। वह हर समय किसी एक जगह पर या किसी एक के पास नहीं टिकता। इसलिए धन से मोह बांधना ठीक नहीं होता।

### सत्ता या अधिकार

कई लोगों को पॉवर यानि सत्ता या अधिकार पाने का शौक होता है। वे लोग चाहते हैं कि उन्हें मिला पद या अधिकार पूरे जीवन उन्हीं के साथ रहें, लेकिन ऐसा होना संभव नहीं है।

# कैसे पहचानें कि दैवीय शक्ति आपकी मदद कर रही है, जानिए 11 संकेत

**दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जिन्हें उनके जीवन में दैवीय सहायता मिलती है। किसी को ज्यादा तो किसी को कम। कुछ तो ऐसे हैं जिनके माध्यम से ऊपरी या दैवीय शक्तियां अच्छा काम करवाती हैं। सवाल यह उठता है कि आम व्यक्ति कैसे पहचानें कि उसकी दैवीय शक्तियां मदद कर रही है या उसकी पूजा-पाठ-प्रार्थना का असर हो रहा है? आओ जानते हैं इस बारे में 11 संक्षिप्त जानकारी।**

### 1. अच्छा चरित्र

शास्त्र कहते हैं कि दैवीय शक्तियां सिर्फ उसकी ही मदद करती है, जो दूसरों के दुख को समझता है, जो बुराइयों से दूर रहता है, जो नकारात्मक विचारों से दूर रहता है, जो नियमित अपने ईष्ट की आराधना करता है या जो पुण्य के काम में लगा हुआ है। यदि आप समझते हैं कि मैं ऐसा ही हूं तो निश्?चित ही दैवीय शक्तियां आपकी मदद कर रही हैं। आपको बस थोड़ा सा इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि आप अच्छे मार्ग पर हैं और आपको ऊपरी शक्तियां देख रही हैं।

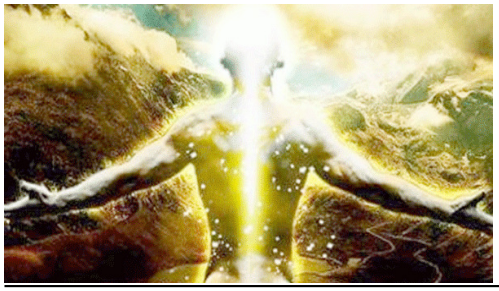

### 2. ब्रह्म मुहूर्त

विद्वान लोग कहते हैं कि यदि आपकी आंखें प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में अर्थात रात्रि 3 से 5 के बीच अचानक ही खुल जाती हैं तो आप समझ जाएं कि दैवीय शक्तियां आपके साथ हैं, क्योंकि यही वह समय होता है जबकि देवता लोग जाग्रत रहते हैं। यदि आप अपने बचपन से लेकर जवानी तक इस समय के बीच उठते रहे हैं तो समझ जाएं कि दैवीय शक्तियां आपके माध्यम से कुछ करवाना चाहती हैं या कि वे आपको एक अच्छी आत्मा समझकर यह संकेत दे रही हैं कि अब उठ जाओ। यह जीवन सोने के लिए नहीं है। आपको दुनिया में बहुत कुछ करना है। यह भी कहा जाता है कि सत्व गुण प्रधान लोग इस काल में स्वतः ही उठ जाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार इस समय बहने वाली वायु को अमृततुल्य कहा गया है। यह अमृत वेला होती है। कहते हैं कि इस काल में दुनिया के मात्र 13 प्रतिशत लोगों की ही नींद खुलती है।

### 3. सपने में देव दर्शन

यदि आपको बारंबार मंदिर या किसी देव स्थान के ही सपने आते रहते हैं। सपने में आप आसमान में ही उड़ते रहते हैं या सपने में आप देवी-देवताओं से वार्तालाप करते रहते हैं तो आप समझ जाइए कि दैवीय शक्तियां आप पर मेहरबान हैं।

### 4. पूर्वाभास

यदि आपको आने वाली घटनाओं का पहले से ही ज्ञान हो जाता है या आपको पूर्वाभास हो जाता है तो आप समझ जाइए कि दैवीय शक्तियों की आप पर कृपा है।

### 5. पारिवारिक प्रेम

आपकी पत्नी, बेटा, बेटी और आपके सभी परिजन आपकी आज्ञा का पालन कर रहे हैं, वे सभी आपसे प्यार करते हैं एवं आप भी उनसे प्यार कर रहे हैं तो आप समझ जाइए कि दैवीय शक्तियां आप से प्रसन्न हैं।

### 6. भाग्य से भी तेज

जीवन में आपको अचानक से लाभ प्राप्त हो जाता है। आपके किसी भी कार्य में किसी भी प्रकार की आपको बाधा उत्पन्न नहीं होती है और सभी कुछ आपको बहुत आसानी से मिल जाता है, तो आप समझ जाइए कि दैवीय शक्तियां आपकी मदद कर रही हैं।

### 7. सुगंधित वातावरण का अहसास

यदि कभी-कभी आपको यह महसूस होता है कि मेरे आसपास कोई है या आपको बिना किसी कारण ही अपने आसपास सुगंध का अहसास हो तो समझ जाइए कि अलौकिक शक्तियां आपके आसपास आपकी मदद के लिए हैं।

### 8. सुहानी हवा

आप पूजा कर रहे हैं और यदि आपको लगे कि अचानक सुहानी हवा का झोंका या प्रकाश पुंज आ गया और शरीर में सिहरन दौड़ने लगे। ऐसा तो पहले कभी हुआ नहीं तो समझिए कि देवी या देवता आप पर प्रसन्न हैं।

### 9. ठंडी हवा का घेरा

भूमि पर रहते हुए भी कभी-कभी आपको यह अहसास हो कि मेरे आसपास बादल या ठंडी हवा का एक पुंज है जिसने मुझे घेरा हुआ है तो आप समझ जाइए कि अलौकिक या दैवीय शक्ति ने आपको घेर रखा है। ऐसा अक्सर बहुत ज्यादा पूजा-पाठ करने वाले व्यक्ति के साथ होता है।

### 10. रोशनी का पुंज

अचानक ही आपको तेज रोशनी का पुंज दिखाई दे जिसकी कि आप कल्पना भी नहीं कर सकते या आपको अचानक ही कानों में मधुर संगीत सुनाई दे और आप आश्चर्य करें कि यहां आसपास तो कोई संगीत बज ही नहीं रहा फिर भी वह कानों में सीटी बजने की तरह सुनाई दे, तो आप समझ जाइए कि आप दैवीय शक्ति के सान्निध्य में हैं। ऐसा अक्सर उन लोगों के साथ होता है, जो निरंतर ही अपने ईष्टदेव का मंत्र जप कर रहे होते हैं।

### 11. किसी की आवाज सुनाई देना

आप रात्रि में गहरी नींद में सो रहे हैं और आपको लगता है कि किसी ने मुझे आवाज दी और आप अचानक ही उठ जाते हैं, लेकिन फिर आपको आभास होता है कि यहां तो कोई नहीं है। लेकिन आवाज तो स्पष्ट थी। ऐसा आपके साथ कई बार हो जाता है तो आप समझ जाइए कि आप पर किसी अलौकिक शक्ति की मेहरबानी है। ऐसे में आप हनुमानजी का ध्यान करें और धन्यवाद दें।

# चीन पर एक और वार, अब शिप ब्रेकिंग का धंधा खींचने की तैयारी

**नई दिल्ली। एजेंसी**

***समुद्री परिवहन (Sea Transport) की बात हो या जहाज के निर्माण (Ship Manufacturing) की, भारत सदा से आगे रहा है। 5,000 साल पहले, दुनिया का सबसे पुराना और आधुनिकतम शिपयार्ड (Modern Shipyard), भारत का था। इसके अवशेष आज भी लोथल (Lothal) में मिले हैं। इस क्षेत्र में भारत एक बार फिर से इतिहास दुहराने को तैयार है। शुरूआत शिप ब्रेकिंग (Ship Breaking) से हुई है, जिसमें भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ कर चीन को पछाड़ने के लिए तैयार है।***

### अब बदल गया शिप ब्रेकिंग उद्योग

यूनियन शिपिंग मिनिस्टर (Union Shipping Minister) मनसुख मंडाविया का कहना है कि शिप ब्रेकिंग क्षेत्र पहले काफी बदनाम था। बात मजदूरों के शोषण की हो या पर्यावरण की, हर तरफ से इस पर अंगुली उठती थी। लेकिन अब इस क्षेत्र पर रेगुलेशन (Regulation) हो गया है। अब इस क्षेत्र में न सिर्फ मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी दी जा रही है, बल्कि उनके स्वास्थ्य, आवास और बच्चों की शिक्षा आदि का पूरा ध्यान रखा जाता है। इसलिए आज अलंग के शिप ब्रेकिंग यार्ड (Alang Ship Breaking Yard) में 30,000 लोग काम करते हैं।

### दुनिया का आधा जहाज यहीं टूटेगा

मंडाविया का कहना है कि इस समय दुनिया भर में हर साल करीब 1,000 जहाज काटे जाते हैं। इनमें से 400 जहाज भारत के अलंग में ही काटे जाते हैं। मतलब कि करीब 40 फीसदी कारोबार हमारे पास आ गया है। अब लक्ष्य है कि दुनिया भर से कम से कम 50 फीसदी जहाज काटने के लिए यहीं आए। उम्मीद है कि वर्ष 2024 तक यह लक्ष्य पा लेंगे। इसके लिए कानूनी प्रावधान (Legal Provision) कर लिए गए हैं।

### हांगकांग कन्वेंशन को अपनाने से होगा फायदा

मंडाविया का कहना है कि इस समय दुनिया भर में हर साल करीब 1,000 जहाज काटे जाते हैं। इनमें से 400 जहाज भारत के अलंग में ही काटे जाते हैं। मतलब कि करीब 40 फीसदी कारोबार हमारे पास आ गया है। अब लक्ष्य है कि दुनिया भर से कम से कम 50 फीसदी जहाज काटने के लिए यहीं आए। उम्मीद है कि वर्ष 2024 तक यह लक्ष्य पा लेंगे। इसके लिए कानूनी प्रावधान (Legal Provision) कर लिए गए हैं।

हांगकांग कन्वेंशन को अपनाने से होगा फायदा

इंटरनेशनल मेरीटाइम आर्गनाइजेशन ने हांगकांग इंटरनेशनल कन्वेंशन फोर सेफ एंड एनवायरामेंटली साउंड रिसाइकलिंग आफ शिप्स को वर्ष 2009 में अपनाया है। इसी के अनुरूप भारत सराकर ने शिप रिसाइकलिंग बिल (Ship Recycling Bill) 2019 को संसद से पारित कराया। इसी से ग्लोबल शिप्स के भारत में टूटने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। अब जापान, अमेरिका आदि विकसित देशों के जहाज भी भारत में रिसाइकिल करने की संभावना बनी है। पहले ये देश भारत में अपने जहाज इसलिए नहीं भेजते थे, यहां मानकों का पालन नहीं होता है।

### हर तरफ लोहे और लकड़ियों का कबाड़

आप शिप ब्रेकिंग यार्ड का भ्रमण करें तो आपको हर तरफ बड़ी-बड़ी क्रेनों के सायरन, मशीनों की आवाजें ही सुनाई देगी। आप जहां भी देखें मजदूरों की टोलियां बड़े-बड़े जहाजों को नेस्तानाबूद करती हुई नजर आती हैं। इस शिपयार्ड की सबसे खास बात यह है कि वहां अब युद्धपोत और एयरक्राफ्ट कैरियर को भी रिसाइकिल करने की क्षमता विकसित हो गई है। तभी तो अभी अभी आईएनएस विराट को रिसाइकिल के लिए भेजा गया है।

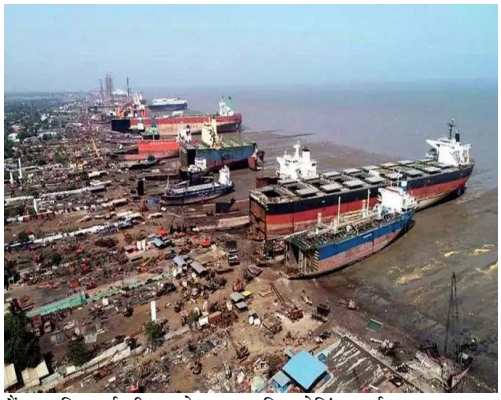

### अलंग शिप यार्ड क्या है

गुजरात में वर्ष 1983 के आसापास भावनगर के अलंग में शिप ब्रेकिंग यार्ड का काम महज 13 मजदूरों से शुरू हुआ था। आज वहां करीब 30,000 मजदूर काम करते हैं। ये मजदूर बिहार, यूपी, ओडिशा, झारखंड आदि राज्यों के हैं। आज अलंग का अलग ही नजारा दिखता है। किसी ऊंची जगह खड़े होकर देखें तो कई किलोमीटर तक आपको बस बड़े-बड़े जहाज या उनका मलबा ही नजर आएगा।

## भारत ने किया ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का परीक्षण

### 400 किमी. तक दुश्मन होगा ढेर

**नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क**

भारत ने विस्तारित रेंज ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया, जो 400 किमी से अधिक दूरी तक दुश्मन को ढेर कर सकती है। यह परीक्षण उड़ीसा के बालासोर में किया गया। इस परीक्षण को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के पीजे-10 परियोजना के तहत किया गया। इसके तहत मिसाइल को स्वदेशी बूस्टर के साथ लॉन्च किया गया। यह ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल के विस्तारित रेंज संस्करण का दूसरा परीक्षण था। इस मिसाइल का एयरफ्रेम और बूस्टर स्वदेशी है।

# सरकार ने चीनी निर्यात की समयसीमा दिसंबर तक बढ़ाई

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

सरकार ने चीनी मिलों को इस साल के लिए आवंटित चीनी कोटे का अनिवार्य निर्यात करने के लिए समयसीमा तीन महीने बढ़ाकर दिसंबर तक कर दी है। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकार ने सितंबर को समाप्त होने वाले 2019-20 के विपणन वर्ष के लिए अतिरिक्त चीनी के निपटान में मदद के लिए कोटा के तहत 60 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी है। खाद्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह ने न्यूज एजेंसी को बताया, ''60 लाख टन में से 57 लाख टन चीनी का अनुबंध हो गया है और मिलों से लगभग 56 लाख टन चीनी निकल चुकी है।'' उन्होंने बताया कि इस समय कोविड-19 महामारी के दौरान आवाजाही में कठिनाई के चलते कुछ मिलें अपना स्टॉक भेज नहीं सकीं। सिंह ने कहा, ''महामारी के दौरान कई मिलों को लॉजिस्टिक संबंधी मुद्दों का सामना करना पड़ा। इसलिए, हमने उन्हें अपना कोटा निर्यात करने के लिए दिसंबर तक कुछ और समय देने का फैसला किया है।'' चीनी मिलों ने ईरान, इंडोनेशिया, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे देशों को चीनी का निर्यात किया है। आधिकारिक तौर पर कहा गया है कि इंडोनेशिया में चीनी के निर्यात को लेकर गुणवत्ता संबंधी कुछ मुद्दे थे, जिसका अब समाधान हो गया है और जिससे भारत के निर्यात को बढ़ावा मिला है। सरकार विपणन वर्ष 2019-20 के दौरान 60 लाख टन चीनी के निर्यात के लिए 6,268 करोड़ रुपये की सब्सिडी दे रही है, ताकि अतिरिक्त घरेलू स्टॉक को खत्म किया जा सके और किसानों को गन्ने का भारी बकाया चुकाने में मिलों को मदद मिल सके।

# अप्रैल-अगस्त में जीवन बीमा पॉलिसी लेने वालों में 50 प्रतिशत ने एक करोड़ रुपये या अधिक का कवर लिया

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

कोरोना वायरस महामारी की वजह से बीमा को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इसके चलते जीवन बीमा पॉलिसी लेने वाले ज्यादा से ज्यादा ग्राहक एक करोड़ रुपये या इससे अधिक का बीमा कवर ले रहे हैं। पॉलिसीबाजार.कॉम द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। बीमा मार्केटप्लेस ने कहा कि अप्रैल-अगस्त, 2020-21 के दौरान जीवन बीमा पॉलिसी लेने वाले ग्राहकों में से 50 प्रतिशत ने एक करोड़ रुपये या अधिक का बीमा कवर लिया है। महामारी के दौरान उपभोक्ता अपने परिवार का वित्तीय संरक्षण चाहते हैं। पॉलिसीबाजार.कॉम ने कहा, ''एक करोड़ रुपये या इससे अधिक का बीमा कवर लेने वालों के आंकड़ों की गणना से पता चलता है कि अप्रैल-अगस्त के दौरान 50 प्रतिशत ग्राहक ऐसे रहे जिन्होंने इतनी राशि का कवर लिया। इससे पता चलता है कि लोग ऊंचे कवर वाली पॉलिसियों में निवेश कर रहे हैं। ये पॉलिसियां काफी सस्ते दाम मसलन 1,000 रुपये मासिक तक में उपलब्ध हैं।'' पॉलिसीबाजार.कॉम का दावा है कि देश में बिकने वाली प्रत्येक चार जीवन बीमा पॉलिसियों में से एक उसके मंच से बेची जाती है। कोविड-19 की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता तथा भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) द्वारा उठाए गए कदमों से अब अधिक से अधिक लोग बीमा पॉलिसी खरीद रहे हैं, जिससे ऐसे अनिश्चित समय में वे अपने परिवार को वित्तीय रूप से संरक्षण दे पाएं। आंकड़ों के आधार पर पॉलिसीबाजार.कॉम ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में जीवन बीमा बाजार में काफी बदलाव आया है। कंपनी ने कहा, ''42 से 50 साल के आयु वर्ग के लोगों द्वारा जीवन बीमा पॉलिसी लेने में काफी उछाल देखने को मिला है। इसमें करीब 77 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं 2020 में जीवन बीमा पॉलिसी लेने वालों में सबसे बड़ा यानी 30 प्रतिशत का हिस्सा 31 से 35 साल के लोगों का रहा है।''

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

## सरकार ने वैकल्पिक ईंधन के लिए मानदंडों को अधिसूचित किया

**नयी दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने विभिन्न वैकल्पिक ईंधन के लिए नियमों को अधिसूचित किया है। सड़क परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री ने एक ट्वीट में कहा, ''ऑटोमोटिव में उत्सर्जन घटाने के लिए सीएनजी की तुलना में एच-सीएनजी (हाइड्रोजन का 18 प्रतिशत मिश्रण) के इस्तेमाल का परीक्षण करने के बाद, भारतीय मानक ब्यूरो ने हाइड्रोजन युक्त संपीड़ित प्राकृतिक गैस (एच-सीएनजी) के निर्देशों को तैयार किया है।'' ऑटोमोटिव ईंधन के रूप में एच-सीएनजी के इस्तेमाल के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में संशोधन की अधिसूचना प्रकाशित की गई है। उन्होंने कहा कि यह परिवहन क्षेत्र में वैकल्पिक स्वच्छ ईंधन की दिशा में एक कदम है।

RBI's Positive Pay System :

# अब चेक के जरिए नहीं कर सकेंगे 50 हजार से अधिक का भुगतान

## RBI लागू करने जा रहा है नया नियम

**नई दिल्ली। एजेंसी**

अगर आप चेक के जरिए अपने खाते से पैसों का भुगतान करते हैं, तो आपके लिए बड़ी खबर है। बैंकिंग फ्रॉड पर नकेल कसने के लिए आरबीआई (RBI) एक नया सिस्टम लेकर आ रहा है। इस सिस्टम के आने के बाद बैंकिंग धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों के खिलाफ आसानी से कार्रवाई की जा सकती है। चेक के जरिए पैसों के लेनदेन की खातिर आरबीआई जिस तरीके को इजाद करने जा रहा है, उसने उसका नाम पॉजिटिव पे सिस्टम (Positive Pay System) रखा है। यह पॉजिटिव पे सिस्टम आगामी 1 जनवरी 2021 से लागू हो जाएगा।

क्या है पॉजिटिव पे सिस्टम

दरअसल, बैंकिंग फ्रॉड पर लगाम लगाने के लिए 1 जनवरी 2021 से लागू होने वाले आरबीआई के 'पॉजिटिव पे सिस्टम' (Positive Pay System) के तहत चेक (Cheque Payment) के जरिए 50,000 रुपये या इससे ज्यादा भुगतान करने पर कुछ जरूरी जानकारियों को दोबारा कन्फर्म करना होगा। हालांकि, यह खाताधारकों पर निर्भर करेगा कि वो इस सुविधा का लाभ उठाता है या नहीं, लेकिन यह संभव है कि चेक के जरिए 5 लाख या इससे अधिक का भुगतान करने के लिए बैंक इस सुविधा को जरूरी कर दे।

### आरबीआई ने जागरूकता अभियान चलाने का दिया निर्देश

आरबीआई ने कहा कि पॉजिटिव पे सिस्टम 1 जनवरी 2021 से लागू होगा। आरबीआई ने बैंकों से कहा है कि वॉइस फीचर्स के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए पर्याप्त जागरुकता अभियान चलाएं। बैंकों से इस बारे में ग्राहकों को एसएमएस अलर्ट, ब्रांचेज में डिस्प्ले, एटीएम, वेबसाइट और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए जागरुक कर सकते हैं।

### 'पॉजिटिव पे सिस्टम' ऐसे काम करेगा

पॉजिटिव पे सिस्टम के तहत चेक जारी करने वाले व्यक्ति को एसएमएस, मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग या एटीएम जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से चेक से जुड़ी कुछ जानकारी देना होगा। इसके तहत चेक की तारीख, लाभार्थी का नाम, प्राप्तकर्ता (Payee) और पेमेंट की रकम आदि के बारे में पूरी जानकारी देनी होगी।

### क्रॉस चेक के बाद ही हो सकेगा भुगतान

चेक पेमेंट से पहले इन जानकारियों को क्रॉस चेक किया जाएगा। क्रॉस चेक के दौरान किसी भी तरह की गलती मिलने पर चेक ट्रंकेशन सिस्टम (CTS Cheque Truncation System) द्वारा इसे मार्क कर ड्रॉई बैंक (जिस बैंक में चेक पेमेंट होना है) और प्रेजेंटिंग बैंक (जिस बैंक के अकाउंट से चेक जारी हुआ है) को जानकारी दी जाएगी। आरबीआई ने बताया है कि ऐसी स्थिति में जरूरी कदम उठाया जाएगा।

### एनपीसीआई डेवलप करेगी नया सिस्टम

पॉजिटिव पे सिस्टम के लिए सीटीएस में ये नई सुविधा 'नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' (NPCI) विकसित करेगी और प्रतिभागी बैंकों के लिए इसे उपलब्ध कराएगी। आरबीआई ने कहा कि उसके बाद बैंक 50,000 रुपये और उससे ऊपर के सभी भुगतान के मामले में खाताधारकों के लिए इसे लागू करेंगे। हालांकि, इस सुविधा का लाभ लेने का निर्णय खाताधारक करेगा। बैंक पांच लाख और उससे अधिक राशि के चेक के मामले में इसे अनिवार्य कर सकते हैं।

# एयरटेल ने क्लाउड एनालिटिक्स स्टार्टअप वेबिओ में हिस्सेदारी ली

## एयरटेल के ग्लोबल स्केल क्लाउड स्टैक का इस्तेमाल करते हुए क्लाउड एनालिटिक्स की वृद्धि को फ़ास्ट ट्रैक करना

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

टेलीकॉम प्रमुख भारती एयरटेल ने कहा कि उसने एयरटेल स्टार्टअप एक्सेलेरेटर प्रोग्राम के तहत क्लाउड एनालिटिक्स स्टार्टअप वेबिओ में रणनीतिक हिस्सेदारी ले ली है। क्लाउड टेलीफोनी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एनालिटिक्स पर केंद्रित वेबिओ के तिरुवनंतपुरम मुख्यालय तेजी से बढ़ते एयरटेल स्टार्टअप एक्सेलेरेटर प्रोग्राम से जुड़ने वाला पांचवां स्टार्टअप है। एयरटेल का प्रोग्राम स्टार्टअप्स को उनकी क्षमता को अनलॉक करने में मदद करता है।

आईडीसी के अनुसार, सम्भावना है कि भारत में सार्वजनिक क्लाउड सर्विस मार्केट 2024 तक 7.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है। इसके भीतर, क्लाउड टेलीफोनी बाजार में तेजी से विकास हो रहा है क्योंकि बिज़नेस अपना प्रोसेस क्लाउड आधारित प्लेटफार्मों पर आगे बढ़ा रहा हैं।

वेबिओ ने एंटरप्राइज क्लाउड टेलीफोनी सेगमेंट के लिए अत्याधुनिक एनालिटिक्स टूल का निर्माण किया है और एयरटेल स्टार्टअप एक्सेलेरेटर प्रोग्राम के तहत वेबिओ के समाधानों के साथ-साथ उभरती हुई प्रौद्योगिकियों को एयरटेल एक्सेस देने के दौरान वेबिओ के सॉल्यूशन को विस्तृत डिस्ट्रीब्यूशन मिलेगा।

भारती एयरटेल के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर, श्री आदर्श नायर ने कहा 'क्लाउड प्रौद्योगिकियां व्यवसायों को बदल रही हैं और अपने ग्राहकों को सेवा के साथ आनंद का लाभ दे रही हैं। हम अपने स्टार्टअप एक्सेलेरेटर कार्यक्रम में वेबिओ को शामिल कर रोमांचित हैं और उन्हें एयरटेल की वर्ल्ड क्लास क्लाउड सर्विसेज इको सिस्टम के हिस्से के रूप में अपनी प्रौद्योगिकियों को स्केलअप करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।' वेबिओ के सीईओ, श्री कृष्णन आर वी कहतें है, 'हम वास्तव में अपने कॉल इंटेलिजेंस टूल्स के लिए एंटरप्राइज अडॉप्शन पर केंद्रित हैं। अधिकांश एंटरप्राइजेज एक महीने में सैकड़ों हजारों फोन कॉल करते हैं। ग्राहक अनुभव को ऑप्टीमाइज करने के लिए कोई एनालिटिक्स, कोई ऑटोमेशन और कोई साधन नहीं है। हम एयरटेल से रणनीतिक निवेश को अपनी प्रौद्योगिकी और उद्यम पहुंच को बढ़ाने के अवसर के रूप में देखते हैं।'

## त्योहारी सीजन से पहले देशभर में सुविधाजनक और सुरक्षित डिलीवरी देने के लिए

# अमेज़न इंडिया ने अपने डिलीवरी नेटवर्क का विस्तार किया

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

अमेज़न इंडिया ने बहुप्रतीक्षित त्योहारी सीजन से पहले अपने डिलीवरी नेटवर्क में महत्वपूर्ण विस्त्र की घोषणा की। त्योहारी सीजन में ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी ने अपने डिलीवरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाते हुए इसका दायरा बढ़ाया है। इसके तहत नेटवर्क में 10 हजार से भी अधिक डिलीवरी पार्टनर्स जोड़े गए हैं। कंपनी ने अपनी सीधी पहुंच बढ़ाने के लिए कई दूरदराज के उत्तरपूर्वी शहरों जैसे कि चम्फाई, कोलासिब, लुमडिंग और मोकोकचुंग के डिलीवरी स्टेशनों सहित देशभर में डिलीवरी सर्विस पार्टनर्स द्वारा संचालित लगभग 200 डिलीवरी स्टेशनों को भी शामिल किया है।

कंपनी ने अपने डिलीवरी कार्यक्रमों के साथ-साथ फ्लैगशिप प्रोग्राम 'आई हैव स्पेस '(घ्ए) को भी मजबूत किया है। इसमें अब

तक 350 शहरों के करीब 28,000 से अधिक दुकानें और किराना स्टोर शामिल हो चुके हैं। 'आई हैव स्पेस 'प्रोग्राम के तहत अमेज़न इंडिया स्थानीय स्टोर मालिकों के साथ साझेदारी करके 2 से 4 किलोमीटर के दायरे में ग्राहकों को प्रोडक्ट डिलीवर करता है। इससे वे नियमित आय को बढ़ा सकते हैं और स्टोर को बेहतर बना सकते हैं। कंपनी ने पिछले चार महीनों में 'अमेज़न फ्लेक्स' कार्यक्रम की पहुंच को लगभग दोगुना कर दिया है, जो अब भारत के 65 शहरों में सेवा प्रदान करता है। इस कार्यक्रम की वृद्धि का श्रेय डिलीवरी पार्टनर को दी जाने वाली फ्लैक्सिबिलिटी को जाता है, जिससे वे अपने शेड्यूल के अनुसार काम कर सकते हैं। साथ ही अमेज़न पैकेज की डिलीवरी करके प्रति घंटे 120 से 140 रुपए तक की अतिरिक्त कमाई कर सकते हैं। अमेज़न इंडिया के लास्ट माइल ऑपरेशंस के डायरेक्टर श्री प्रकाश रोचलानी ने अपने डिलीवरी नेटवर्क के विस्तार पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'हमारे डिलीवरी कार्यक्रमों के हालिया विस्तार ने सामूहिक रूप से अमेज़न इंडिया के लक्ष्य को आगे बढ़ाने और त्योहारी सीजन से पहले तेज, सुरक्षित और निर्बाध रूप से काम करने का अनुभव प्रदान किया है। हमारा लक्ष्य देशभर के ग्राहकों को यह सुनिश्चित करना है कि इस त्योहारी सीजन में हमारे ग्राहक अपनी मनपसंद चीजों को घर बैठे आराम से प्राप्त कर सकें। हम अपने ग्राहकों और डिलीवरी पार्टनर दोनों की सुरक्षा को महत्वद दे रहे हैं। हमने अपने डिलीवरी नेटवर्क को तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत की है, ताकि देश के सभी हिस्सों से सुरक्षित, संपर्करहित डिलीवरी हो सके।'

# बीपीसीएल पर बोली लगाने की समयसीमा बढ़ी, कंपनी के शेयर गिरे

**नई दिल्ली।** सरकार ने बुधवार को भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) में हिस्सेदारी खरीदने के लिए प्रारंभिक बोली जमा करने की समयसीमा डेढ़ महीने बढ़ाकर 16 नवंबर तक कर दी है। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, ''इच्छुक बोलीदाताओं (आईबी) के अनुरोध और कोविड-19 महामारी से पैदा हुई मौजूदा स्थितियों को देखते हुए अभिरुचि पत्र जमा करने की अंतिम तारीख को आगे 16 नवंबर 2020 (शाम पांच बजे) तक बढ़ा दिया गया है।'' इससे पहले रूस की तेल कंपनी Rosneft और सऊदी अरामको ने BPCL के निजीकरण से फिलहाल किनारा कर लिया। दोनों कंपनियों ने पहले बीपीसीएल में हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। लेकिन तेल की गिरती कीमतों और मांग में कमी की वजह से दोनों ने फिलहाल इससे खुद को अलग कर लिया है। Rosneft ने BPCL की 53.92 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। फरवरी में जब इसके सीईओ ईगोर सेशिन भारत आए थे उन्होंने इसका इरादा जताया था। हालांकि भारत सरकार की ओर से कहा गया है कि सऊदी अरामको BPCLमें हिस्सेदारी खरीदने के लिए तैयार है। लेकिन अरामको की ओर से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है।

### सरकार की योजना

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने Rosneft के सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि कंपनी अब बीपीसीएल में हिस्सेदारी नहीं खरीदेगी। हालांकि एक दूसरे सूत्र के मुताबिक इस कंपनी की दिलचस्पी सिर्फ बीपीसीएल के मार्केटिंग बिजनेस में है। बीपीसीएल के कई तेल डिपो और 16,800 फ्यूल स्टेशन हैं। सरकार बीपीसीएल में हिस्सेदारी बेच कर 600 से 700 अरब रुपये जुटाना चाहती है। लेकिन पिछले एक साल में बीपीसीएल के शेयर 30 फीसदी गिर चुके हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।